



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, १० अक्टूबर, १९९५/१८ आश्विन, १९१७

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

“निलम्बन आदेश”

हमीरपुर, २५ सितम्बर, १९९५

संख्या पंच-एच० एम० प्रार०-४-४/८५-६२५०-५६. - क्योंकि जगदीश चन्द सुपुत्र श्री सुन्दर राम, निवासी गांव जख्योल, तहसील भोरज, जिला हमीरपुर, हि० प्र० द्वारा अधोहस्ताक्षरी को प्रधान, ग्राम पंचायत खरवाड के विरुद्ध अपने पद की शक्तियों के दुरुपयोग तथा शिकायतता एवं ग्राम वस्तुओं पर जुर्माने की राशि अवैध रूप से एकत्रित करने तथा उसका अपहरण करने के सम्बन्ध में शिकायत दायर की थी, और

क्योंकि उप-मण्डल अधिकारी (नॉ०), हमीरपुर द्वारा १६-११-९४ को छातबीन करवाने पर सम्बन्धित प्रधान के विरुद्ध निम्नलिखित आरोप सिद्ध हुये हैं :-

- (१) श्री जगदीश चन्द को बिना कारण बताये उनकी सुनवाई के बिना मु० ५४० दिनांक ७-१०-९३ को जुर्माना किया गया और जब उन्होंने निर्णय की प्रति मांगी तो उन्हें उक्त प्रधान द्वारा तंग करने की नीयत से धमकी दी और उन्होंने दिनांक १५-१०-९३ को एक पंजीकृत पत्र द्वारा नकल के लिये प्रार्थना-पत्र भेजा तथा साथ ही मु० १०४० नकल शुल्क के लिये मनीआर्डर द्वारा भेजे परन्तु नकल न देने की नीयत से सम्बन्धित प्रधान द्वारा पंजीकृत पत्र व मनीआर्डर वापिस कर

दिये गये। सम्बन्धित प्रमाणों ने लोगों को तंग करने की नीयत से संताना द्वारा दिनांक 22-10-93 को गांव वालों से किसी भी प्रकार का पंजीकृत पत्र तथा मनाप्रार्थन करने हेतु जानबूझ कर प्रस्ताव पारित करवा कर असंवैधानिक कार्य का गबन दिया है।

(2) प्रधान द्वारा सर्वश्रद्धांजलि बुद्धि देवी, मुरजीत कुमारी, राजो देवी, धर्मी देवी, कोणहवा देवी व श्री लोभो राम से म० 25 व० प्रति व्यक्ति अर्घ्य रूप से जुमाने की राशि प्राप्त की तथा इस राशि को न तो ग्राम पंचायत खरवाड में जमा किया गया और न ही ग्राम सुधार सभा, धमरावा के खाने में ही जमा किया गया। जोति श्री विजा कुमार, प्रधान, ग्राम सुधार सभा के अनुसार पंजीकृत संस्था नहीं है। ग्राम सुधार सभा के पास न तो कोई रिकार्ड है और न ही उनके पास कोई रोल बही है। इस तथ्य पर तस्मा अवेर है। उस जुमाने की रूप में चण्डी गई राशि का गबन किया गया है।

(3) प्रधान द्वारा शिकायतकर्ता और अन्य ग्राम वालों का बिना किसी कारण के प्रवेष्ट जुमाने कर के उन्हें तंग करने का आरोप सिद्ध हुआ पाया गया है।

और क्योंकि उस प्रधान को हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियम, 1971 के नियम 77 के अनुसार हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खरवाड के प्रधान पद से निलम्बित हेतु इस कार्यवाही के पत्र सं० पंच-एच० एच० १५० धार० 4-4/85-3978-84, दिनांक 1-9-95 के अन्तर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उस प्रधान से कारण बताओ नोटिस का उत्तर नोटिस जारी होने की तिथि से 7 दिनों के भीतर-भीतर प्रस्तुत करने को कहा गया था, और

क्योंकि उस प्रधान ने विरोधित अधि में कारण बताओ नोटिस का उत्तर इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह सिद्ध होता है कि उस प्रधान इस मामले में अपने पक्ष में कुछ भी कहना नहीं चाहते।

अतः मैं, के० जे० बी० बी० सुब्रह्मण्यम् (भा० प्र० मे०), उपायुक्त, जिला हमीरपुर, हि० प्र० उन गणितियों के अन्तर्गत, जो कि मुझे गन्वि (पंचायत), हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना सं० पा० सी० एच०-एच० ०१० (3)-13/95, दिनांक 4-5-95 के अन्तर्गत प्राप्त हैं, श्री बृजलाल, प्रधान, ग्राम पंचायत खरवाड, विकास खण्ड भारंग, जिला हमीरपुर को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (2) के अन्तर्गत उनके पद से तत्काल निलम्बित करना हूँ तथा आदेश देता हूँ कि ग्राम पंचायत खरवाड के प्रधान पद का कार्यभार आगामी आदेशों तक उप-प्रधान, ग्राम पंचायत खरवाड को सौंपा जाये।

के० जे० बी० बी० सुब्रह्मण्यम्
उपायुक्त, हमीरपुर,
जिला हमीरपुर, हि० प्र०।